एकेटीयू में इंफोसिस के सहयोग से बनेगी प्रदेश की पहली मेकर्स लैब

जासं ● लखनऊः डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई उड़ान भरने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इंफोसिस, डसाल्ट और ब्रह्मोस जैसी दिग्गज कंपनियां सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित कर रही हैं, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों के साथ अपने प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, इंफोसिस विश्वविद्यालय परिसर में प्रदेश का पहला हाईटेक मेकर्स लैब भी स्थापित कर रहा है, जो जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा।

इंफोसिस की ओर से स्थापित की जा रही मेकर्स लैब प्रदेश में अपनी तरह की पहली लैब होगी, जो

इंफोसिस, डसाल्ट और ब्रह्मोस का सेंटर आफ एक्सीलेंस से युवाओं के प्रोजेक्ट और आइडिया को मिलेगा आकार

तकनीकी और विज्ञान से जुड़े छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक संसाधन मुहैया कराएगी। यह लैब एकेटीयू की लाइब्रेरी के एक हिस्से में 2400 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाई जा रही है। इसमें 25 हाईटेक वर्किंग स्टेशन, दो राउंड टेबल, कांफ्रेंसिंग एरिया, हाई-टेबल और रिसेप्शन शामिल होंगे। इस लैब में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी), रोबोटिक्स और थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। छात्र-छात्राएं

एकेटीयू में बन रही है इंफोसिस की मेकर्स लैब ● एकेटीयू

अपने इनोवेटिव आइडिया को यहां साकार कर सकेंगे। साथ ही विशेषज्ञों से मार्गदर्शन भी पा पाएंगे। इसके अलावा, इंफोसिस 19,000 आनलाइन कोर्सेस भी उपलब्ध कराएगी, जिन्हें कक्षा छह से लेकर पीजी स्तर तक के छात्र-छात्राएं मुफ्त कर सकेंगे।

सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित होने से अधिक से अधिक युवाओं को उन्नत तकनीकी शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलेंगे। इन सेंटर आफ एक्सीलेंस और मेकर्स लैब की स्थापना से न केवल प्रदेश के छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि स्टार्टअप और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। यह विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख हब के रूप में स्थापित करेगा और उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से और सशक्त बनाएगा।

प्रो. जेपी पांडेय, कुलपति, एकेटीयू

डसाल्ट और ब्रह्मोस का सेंटर आफ एक्सीलेंस : फ्रांस की प्रसिद्ध रक्षा व एयरोस्पेस कंपनी डसाल्ट सिस्टम्स और भारत की ब्रह्मोस एयरो स्पेस विश्वविद्यालय में सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित करेगी। इन केंद्रों के माध्यम से तीन वर्षों में पांच हजार से अधिक छात्रों को हाईड्रोजन, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एयरोस्पेस, रक्षा, स्टार्टअप और आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। डसाल्ट सिस्टम्स द्वारा प्रस्तावित इस परियोजना की लागत करीब 200 करोड़ रुपये होगी।

इसमें वर्चुअल लर्निंग, इनोवेशन हब, थ्री-डी डिजाइनिंग, सिमुलेशन और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की भी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कंपनी प्रशिक्षित छात्रों को अपने संस्थान में समायोजित करने की भी योजना बना रही है।